Date	Publication	Edition	Headline	Page
09-01-18	Lok Sahita	Dehradun	Election Atlas of India – launched	04

'इलेक्शन एटलस ऑफ इण्डिया' पुस्तक का हुआ विमोचन

देहरादून , सामाजिक आर्थिक एवं चुनावी सांख्यिकी आंकड़ों का प्रसार करने वाले भारत के प्रमुख आईटी इनेबल्ड संगठन डेटानेट इण्डिया ने आज नई दिल्ली में आयोजित विश्व पुस्तक मेले में अपनी पुस्तक इलेक्शन एटलस ऑफ इण्डिया का लॉन्च किया। भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त डॉ नसीम जैदी द्वारा प्रस्तावित यह पुस्तक डेटानेट इण्डिया के निदेशक डॉ. आर के ठुकराल द्वारा सम्पादित और प्रकाशित है। अपनी प्रस्तावना में भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त डॉ नसीम जैदी ने कहा, ''एटलस में चुनाव से जुड़े विभिन्न तथ्यों, मतदाताओं, उम्मीदवारों और वंचित समुदायों के विभिन्न स्तरों पर एकत्रित सांख्यिकी आंकड़ों का इस्तेमाल किया गया है। इन मानकों और पहलुओं को जीआईएस टेकनोलॉजी का इस्तेमाल करते हुए प्रभावी ग्राफ, चार्ट, विषयगत मानचित्रों के रूप में प्रस्तुत किया गया है। एटलस में संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में उप-चुनावों के बारे में ऐतिहासिक आंकड़ों तथा राज्यों के गठन एवं विभाजन के बाद हुए बदलावों पर रोशनी डाली गई है। एटलस में मैपें पाया गया कि इसमें चुनाव एवं चुनावी जानकारी से जुड़ी कई रोचक कहानियां हैं, जिन्हें डेटा एवं जानकारी के रूप में प्रस्तुत किया गया है। ये विषयगत कहानियां पाठकों को भारतीय चुनाव प्रणाली के विकास के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएंगी....संपादक ने संकलन के अंत में व्याख्यात्मक नोट्स और अस्वीकरण दिए हैं।''

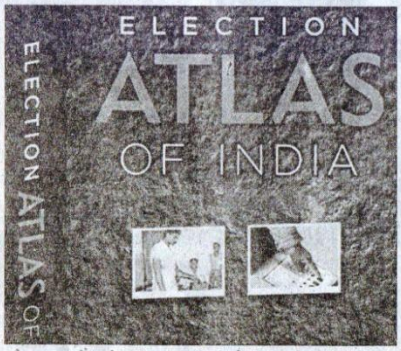

पुस्तक के संपादक डॉ आर के ठुकराल ने पाया कि भारत के मतदाताओं की संख्या अमेरिका और पश्चिमी यूरोप की कुल आबादी से अधिक है। एटलस चुनावी फीचर्स पर आधारित प्रासंगिक पुस्तक है जिसमें पहले आम चुनाव से लेकर आज तक सभी संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के चुनावी परिणामों का विवरण है। प्रमाणित स्रोतों से प्राप्त जानकारी एवं आंकड़ों के आधार पर विषयगत मानचित्रों के माध्यम से 1952 से लेकर 2014 तक की सम्पूर्ण जानकारी व्यवस्थित और कालानुक्रम में दी गई है, जो भारत की चुनावी प्रणाली की वास्तविक तस्वीर प्रस्तुत करती है। पुस्तक में हर गांव और हर कस्बे को 2011 जनगणना अनुसार संसदीय चुनाव क्षेत्र के लिए मानचित्रित करते हुए 2008 की परिसीमन रिपोर्ट के आधार पर 2014 लोकसभा चुनावों के लिए सभी संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों की जनसांख्यिकी विशेषताएं भी दी गई हैं। इसके अलावा चुनावों के ऐतिहासिक अवलोकन पर रोशनी डालने के लिए ग्राफ एवं चार्ट के माध्यम से रोचक जानकारी दी गई है। इस विश्लेषण को पाठकों के लिए आसान बनाने हेतु विशेष शब्दावली का इस्तेमाल किया गया जैसे दलों का ध्रुवीकरण, सामाजिक-धार्मिक प्रभुत्व, राष्ट्रीय एवं राज्यीय दलों का संयुक्त वोट वितरण आदि। संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में हुए बदलावों तथा उपचुनावों के बारे में ऐतिहासिक आंकड़े एटलस को सही मायनों में आंकड़ों का बेहतरीन संग्रह बनाते हैं। चुनावी जानकारी का यह महत्वपूर्ण स्रोत इलेक्शन एटलस ऑफ इण्डिया आम चुनावों के संदर्भ में राजनीतिज्ञों, शिक्षाविदों, अनुसंधानकर्ताओं, मीडिया पेशेवरों, लोकतंत्र समर्थकों एवं चुनावी अधिकारियों के लिए प्रासंगिक पुस्तक साबित होगी।